KVS PRT Syllabus in Hindi

केंद्रीय विद्यालय संगठन बोर्ड ने प्राथमिक शिक्षकों के लिए परीक्षा पैटर्न भी प्रदान किया है। यह परीक्षा 180 मिनट की होगी. इस परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुल संख्या 180 है।

भाग	विषय	कुल अंक और प्रश्न	कुल समय
भाग I	भाषा प्रवीणता	20 अंक	180 Minutes
	सामन्य अंग्रेजी	10	
	सामन्य हिंदी	10	
भाग II	सामान्य जागरूकता, तार्किक क्षमता और कंप्यूटर साक्षरता	20	
	सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स	10	
	तार्किक क्षमता	05	
	कंप्यूटर साक्षरता	05	
भाग III	शिक्षा और नेतृत्व पर दृष्टिकोण	60 अंक	
	शिक्षार्थी को समझना	15	
	टीचिंग लर्निंग को समझना	15	
	एक अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाना	10	
	स्कूल संगठन और नेतृत्व	10	
	शिक्षा में दृष्टिकोण	10	
भाग IV	विषय संबंधित	80 अंक	
	कुल अंक	180	

KVS प्राथमिक शिक्षक पाठ्यक्रम (KVS PRT Syllabus in Hindi)

KVS ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अलग से एक प्राथमिक शिक्षक रिक्ति (KVS PRT Vacancies) जारी की। यहाँ KVS PRT विस्तृत सिलेबस 2023(KVS PRT Syllabus) को सारणीबद्ध रूप में उपलब्ध करा रहा है, एक नज़र डालें।

- अंग्रेज़ी
- हिन्दी
- रीज़निंग
- कंप्यूटर साक्षरता
- सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स
- शिक्षा और नेतृत्व पर दृष्टिकोण
- विषय संबंधित

विषय	टॉपिक्स
अंग्रेज़ी	Articles, Narrations, Prepositions, Punctuations, Comprehension, Fill in the Blanks. Adverb, Error Correction, Sentence Rearrangement, Unseen Passages, Vocabulary, Antonyms, Synonyms, Idioms, Verbs, Tenses, adjectives, modal, Voice, Subject-Verb Agreement
हिन्दी	भाषा, संज्ञा, सर्वनाम एवं सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, वचन, लिंग, उपसर्ग एवं प्रत्यय, वाक्य निर्माण, पर्यायवाची, विपरीपार्थक, अनेकार्थक, समानार्थी शब्द, विराम चिन्हों की पहचान एवं उपयोग, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, अलंकार, सन्धि, तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द, समास
सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स	पुरस्कार, किताबें और उनके लेखक, खेल, इतिहास- प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक, भूगोल, करंट अफेयर्स, राजनीति, जनसंख्या जनगणना, भारतीय कला और संस्कृति, विविध।
रीज़निंग	मिरर इमेज, डायरेक्शन, पजल्स, सीटिंग अरेंजमेंट, न्यायवाक्य, डेटा पर्याप्तता, कोडिंग-डिकोडिंग, ब्लड रिलेशन, ऑर्डर और रैंकिंग, अल्फा न्यूमेरिक सिंबल सीरीज़, लॉजिकल रीजनिंग

कंप्यूटर साक्षरता	संकेताक्षर, बुनियादी कंप्यूटर शब्दावली और शॉर्टकट, वेब प्रौद्योगिकी, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, ब्राउज़र और खोज इंजन, इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग की सामान्य अवधारणा, कंप्यूटर मेमोरी या स्टोरेज डिवाइस, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, कंप्यूटर का इतिहास और मूल्यांकन, पीढ़ी और प्रकार कंप्यूटर की, ऑपरेटिंग सिस्टम
शिक्षा और नेतृत्व पर दृष्टिकोण	(a) Understanding the Learner • विकास, परिपक्वता और विकास की अवधारणा, विकास के सिद्धांत और बहस, विकास कार्य और चुनौतियाँ • विकास के क्षेत्र: शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक, नैतिक आदि, विकास में विचलन और इसके प्रभाव। • किशोरावस्था को समझना: आवश्यकताएँ, चुनौतियाँ और संस्थागत सहायता की रूपरेखा तैयार करने के निहितार्थ। • प्राथमिक और माध्यमिक समाजीकरण एजेंसियों की भूमिका। होम स्कूल निरंतरता सुनिश्चित करना। (b) Understanding Teaching Learning • सीखने पर सैद्धांतिक दृष्टिकोण - व्यवहारवाद, संज्ञानात्मकवाद और रचनावाद उनके निहितार्थ के विशेष संदर्भ में: • शिक्षक की भूमिका • शिक्षार्थी की भूमिका • शिक्षक-छात्र संबंध की प्रकृति • शिक्षण विधियों का विकल्प • कक्षा का वातावरण • अनुशासन, शक्ति आदि की समझ। • सीखने को प्रभावित करने वाले कारक और उनके लिए निहितार्थ: • कक्षा निर्देश डिजाइन करना, • छात्र गतिविधियों की योजना बनाना और, • स्कूल में सीखने की जगह बनाना। • शिक्षण-अधिगम की योजना और संगठन • पाठ्यचर्या और पाठ्यचर्या की अवधारणा, प्रकट और गुप्त पाठ्यचर्या • मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान, बचपन की देखभाल और शिक्षा • योग्यता-आधारित शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, आदि। • निर्देशात्मक योजनाएँ: -वर्ष योजना, इकाई योजना, पाठ योजना • शिक्षण सामग्री और संसाधन शिक्षण-अधिगम के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)।

	• सीखने का आकलन, सीखने के लिए और सीखने के रूप में: प्रत्येक योजना बनाने में अर्थ, उद्देश्य और विचार। • शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को बढ़ाना: रचनावादी शिक्षण के साधन के रूप में कक्षा अवलोकन और प्रतिक्रिया, प्रतिबिंब और संवाद। (c) Creating Conducive Learning Environment • विविधता, अक्षमता और समावेशन की अवधारणा, सामाजिक निर्माण के रूप में अक्षमता के निहितार्थ, अक्षमता के प्रकार-उनकी पहचान और हस्तक्षेप, • स्कूल मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा, सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के उपचारात्मक, निवारक और प्रोत्साहक आयामों को संबोधित करना। मार्गदर्शन और परामर्श के लिए प्रावधान। • सीखने के संसाधन के रूप में स्कूलों और समुदायों का विकास करना। (d)School Organization and Leadership • प्रतिक्रियात्मक अभ्यास, टीम निर्माता, आरंभकर्ता, कोच और संरक्षक के रूप में नेता। • स्कूल नेतृत्व पर परिप्रेक्ष्य: निर्देशात्मक, वितरित और परिवर्तनकारी • दृष्टि निर्माण, लक्ष्य निर्धारण और विद्यालय विकास योजना तैयार करना शिक्षण-अधिगम को मजबूत करने के लिए स्कूल प्रक्रियाओं और मंचों का उपयोग-वार्षिक कैलेंडर, टाइम-टेबलिंग, अभिभावक-शिक्षक मंच, स्कूल असेंबली, शिक्षक विकास मंच, शिक्षण-अधिगम में सुधार के लिए उपलब्धि डेटा का उपयोग, स्कूल स्व मूल्यांकन और सुधार • समुदाय, उद्योग और अन्य पड़ोसी स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ साझेदारी बनाना, शिक्षण समुदाय बनाना (e)Perspectives in Education • शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्कूल की भूमिका। • एनईपी-2020: प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा: सीखने की बुनियाद; मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान; स्कूलों में पाठ्यचर्या और शिक्षाशास्त्र: समग्र और एकीकृत शिक्षा; न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा: सभी के लिए सीखना; योग्यता आधारित शिक्षा और शिक्षा। • बाल अधिकारों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, एक सुरक्षित और सुरक्षित स्कूल वातावरण के लिए बच्चों के अधिकारों की रक्षा और प्रावधान, मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के लिए बच्चों का अधिकार अधिनियम, 2009, ऐतिहासिक रूप से स्कूली शिक्षा के विशेष संदर्भ में शिक्षा में राष्ट्रीय नीतियों का अध्ययन

	• स्कूल पाठ्यचर्या के सिद्धांत: परिप्रेक्ष्य, सीखना और ज्ञान, पाठ्यचर्या क्षेत्र, स्कूल चरण- शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन।
विषय संबंधित	संबंधित विषय का विस्तृत पाठ्यक्रम नीचे दिया गया है: • PRT पीआरटी विषय संबंधित पीडीएफ यहां से डाउनलोड करें

KVS परीक्षा को पास करने के टिप्स और ट्रिक्स (KVS PRT Preparation Tips)

- प्रत्येक दिन अधिक से अधिक क्विज़ का प्रयास करने का प्रयास करें।
- प्रत्येक दिन कम से कम एक मॉक टेस्ट देने की आदत डालें।
- अपने स्कोर को बेहतर बनाने के लिए रिवीजन महत्वपूर्ण है, इसलिए पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों के साथ अभ्यास करें।
- अंग्रेजी विषय का व्याकरण खंड सबसे महत्वपूर्ण है और इस खंड में ग्रेड में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- लेख, काल, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण और क्रिया विशेषण जैसे प्रत्येक विषय के सभी नियमों को जानें, जो त्रुटि-खोज प्रश्नों में मदद करेगा।
- परीक्षा में बैठते समय किसी भी प्रश्न को निर्धारित समय से अधिक समय न दें यदि आप अटके हुए महसूस करते हैं तो अगले प्रश्नों पर जाएँ और एक प्रश्न पर समय बर्बाद न करें।
- एक उचित और रणनीतिक अध्ययन योजना आपके प्रतिस्पर्धियों से बेहतर स्कोर करने की संभावनाओं को भी बढ़ाएगी।
- हर विषय महत्वपूर्ण है और हर विषय का अपना महत्व है इसलिए किसी भी विषय को नज़रअंदाज न करें।
- कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है इसलिए परीक्षा में सभी प्रश्नों को हल करें।